No. of Printed Pages : 6

BPY-001

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP)
(B. A. PHILOSOPHY)
Term-End Examination
June, 2022

(Elective Course : Philosophy)

BPY-001 : INDIAN PHILOSOPHY PART–I

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : (*i*) *Answer all the **five** questions.*

(*ii*) *All questions carry equal marks.*

(*iii*) *Answers to Question No. **1** and **2** should approximately be in **400** words each.*

1. What are Vedangas ? Explain its six organs and their functions. 20

Or

Discuss the philosophical significance of Chandogya Upanishad. 20

2. Examine the different states of consciousness as discussed in Mandukya Upanishad. 20

Or

Give an account of the Jaina epistemology. 20

3. Answer any ***two*** of the following in about **200** word each : 10 each

   (a) Explain the nature of Brahman as described in the Mundaka Upanishad.

   (b) Discuss the structure of Samaveda and Atharvaveda.

   (c) Highlight the central theme of Isa Upanishad.

   (d) Give an account of the practical teachings and Nirvana of Buddhism.

4. Answer any ***four*** of the following in about **150** words each : 5 each

   (a) Describe the meaning and classification of the Vedas.

   (b) What is the importance of the age of Brahmanas ?

(c) Give a brief account of Cārvaka metaphysics.

(d) Distinguish between Mahavratas and Aruvratas in Jainism.

(e) Bring out the differences between Indian and Western analysis of mind.

(f) Explain briefly the characteristics of self in Mandukya Upanishad.

5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each : 4 each

(a) Buddha's views on Karma

(b) Triratnas of Jainism

(c) The concept of Rita

(d) Mythology

(e) The bonds of Sat

(f) Creation in Aitareyopanishad

(g) Videhamukti

(h) Aum and Self in Mandukya Upanishad

BPY-001

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.डी.पी.)

(बी. ए. दर्शनशास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2022

(ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र)

बी.पी.वाई.-001 : भारतीय दर्शन भाग—I

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(iii) प्रश्न संख्या ***1*** *और* ***2*** *में प्रत्येक का उत्तर लगभग* ***400*** *शब्दों में दीजिए।*

---

1. वेदांग क्या है ? इसके छः अंगों और उनके प्रकार्यों की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

छान्दोग्य उपनिषाद् के दार्शनिक महत्व पर चर्चा कीजिए।

2. माण्डूक्य उपनिषद् में वर्णित चेतना की विभिन्न अवस्थाओं का परीक्षण कीजिए। 20

अथवा

जैन ज्ञानमीमांसा का विवरण प्रस्तुत कीजिए।

3. किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **200** शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 10

(क) मुण्डक उपनिषद् में वर्णित ब्रह्म की प्रकृति की व्याख्या कीजिए।

(ख) सामवेद एवं अथर्ववेद की संरचना पर चर्चा कीजिए।

(ग) ईशोपनिषद के केन्द्रीय विषय पर प्रकाश डालिए।

(घ) बौद्ध दर्शन की व्यावहारिक शिक्षाओं और निर्वाण का विवरण दीजिए।

4. किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **150** शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 5

(क) वेदों के अर्थ एवं वर्गीकरण का वर्णन कीजिए।

(ख) ब्रह्मण युग का क्या महत्व है ?

(ग) चार्वाक तत्वमीमांसा का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

(घ) जैन दर्शन के महाव्रत एवं अणुव्रत के मध्य अन्तर कीजिए।

(च) मन के भारतीय एवं पाश्चात्य विश्लेषण के मध्य विभेदों पर प्रकाश डालिए।

(छ) माण्डूक्य उपनिषद् में वर्णित आत्मा के लक्षणों की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।

5. किन्हीं ***पाँच*** प्रश्नों में से प्रत्येक पर लगभग **100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : प्रत्येक 4

(क) कर्म के सम्बंध में बुद्ध के विचार

(ख) जैन दर्शन के त्रिरत्न

(ग) ऋत का प्रत्यय

(घ) मिथकशास्त्र

(ड़) सत् के बन्धन

(च) एतरेय उपनिषद् में सृष्टि-निर्माण

(छ) विदेह मुक्ति

(ज) माण्डूक्य उपनिषद में ओम और आत्मा